9 वार्षिक रिपोर्ट
Annual Report
2011-12

रेल विकास निगम लिमिटेड

Rail Vikas Nigam Limited

(A Government of India Enterprise)

विषय सूची CONTENTS

1.	निदेशक मंडल एवं अन्य सूचना Board of Directors and other Information	01
2.	अध्यक्ष का सम्बोधन Chairman's Address	04
3.	निदेशकों की रिपोर्ट Directors' Report	16
4.	कार्पोरेट गवर्नेंस पर रिपोर्ट Report on Corporate Governance	40
5.	प्रबंधन बहस एवं विश्लेषण रिपोर्ट Management Discussion and Analysis Report	58
6.	निदेशकों की रिपोर्ट का परिशिष्ट Addendum to Directors' Report	64
7.	कार्पोरेट गवर्नेंस के अनुपालन का प्रमाण – पत्र Certificate of Compliance on Corporate Governance	64
8.	वार्षिक लेखे Annual Accounts	
	क. तुलन पत्र a. Balance Sheet	66
	ख. लाभ एवं हानि लेखा b. Profit and Loss Account	68
	ग. नकदी प्रवाह विवरण c. Cash Flow Statement	70
	घ. सामान्य सूचना एवं महत्वपूर्ण लेखा नीतियां – नोट्स 1 एवं 2 d. General Information & Significant Accounting Policies - Notes 1 & 2	74
	ड. वार्षिक लेखों के नोट्स – 3 से 20 e. Notes - 3 to 20 of Annual Accounts	78
	च. लेखों की व्याख्यात्मक टिप्पणी – नोट्स – 21 से 33 f. Explanatory Notes to Accounts - Notes 21 to 33	100
9.	लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट Auditor's Report	108
10.	भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणी Comment of C & AG	112

पिछले पांच वर्षों के दौरान प्रदर्शन

ब्यौरा	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12
कुल आय	46.78	68.10	80.83	84.51	177.19
भुगतान किया शेयर पूंजी	2,015.02	2,085.02	2,085.02	2,085.02	2085.02
भंडार और अधिशेष	35.08	66.56	106.76	151.50	226.77
पूंजी नियोजन	4,495.10	6,061.58	7,417.84	6,410.00	8358.60
निवल मूल्य	2,119.09	2,151.07	2,191.78	2,236.50	2311.79
शुद्ध अचल आस्तियां	3.29	3.37	2.72	3.84	4.83
कर पूर्व लाभ	39.34	57.25	67.49	75.45	119.33
कर के लिए प्रावधान	10.91	16.45	15.58	14.36	12.02
कर पश्चात् लाभ	28.43	40.83	51.91	61.09	98.38
लाभांश	5.00	8.00	10.00	12.50	20.00
प्रति शेयर आय (ईपीएस)	0.21	0.20	0.25	0.29	0.47

Performance During Last Five Years

Particulars	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12
Total Income	46.78	68.10	80.83	84.51	177.19
Paid up Share Capital	2,015.02	2,085.02	2,085.02	2,085.02	2085.02
Reserves & Surplus	35.08	66.56	106.76	151.50	226.77
Capital Employed	4,495.10	6,061.58	7,417.84	6,410.00	8358.60
Net worth	2,119.09	2,151.07	2,191.78	2,236.50	2311.79
Net Fixed Assets	3.29	3.37	2.72	3.84	4.83
Profit before Tax	39.34	57.25	67.49	75.45	119.33
Provision for Tax	10.91	16.45	15.58	14.36	12.02
Profit after Tax	28.43	40.83	51.91	61.09	98.38
Dividend	5.00	8.00	10.00	12.50	20.00
Earning Per Share (EPS)	0.21	0.20	0.25	0.29	0.47

निदेशक मंडल / Board of Directors

श्री ए.पी. मिश्रा
सदस्य इंजीनियरी, रेलवे बोर्ड
अध्यक्ष (अंशकालिक सरकारी)
Mr. A.P. Mishra,
Member Engineering, Railway Board
Chairman (Part-time official)

श्री एस.सी. अग्निहोत्री
प्रबंध निदेशक
Mr. S.C. Agnihotri
Managing Director

श्रीमती गीता मिश्रा
निदेशक (कार्मिक)
Smt. Gita Mishra
Director (Personnel)

श्री मुकुल जैन
निदेशक (परिचालन)
Mr. Mukul Jain
Director (Operations)

श्री विजय आनंद
निदेशक (परियोजना)
Mr. Vijay Anand
Director (Projects)

श्री अशोक कु. गंजू
निदेशक (वित्त)
Mr. Ashok K. Ganju
Director (Finance)

श्री ए.के. गुप्ता
अपर सदस्य (पुल),
रेलवे बोर्ड, (अंशकालिक
सरकारी) निदेशक)
Mr. A.K. Gupta
Advisor (Bridges),
Railway Board,
(Part-time official) Director

श्री आर एन आगा
(अंशकालिक
गैर सरकारी) निदेशक
Mr. R.N. Aga
(Part-time
non-official) Director

डॉ. के.के. चौधरी
(अंशकालिक गैर
सरकारी) निदेशक
Dr. K.K. Chaudhuri
(Part-time
non-official) Director

प्रो.(डॉ.) एस.एस.चटर्जी
(अंशकालिक गैर
सरकारी) निदेशक
Prof. (Dr.) S.S. Chatterji
(Part-time
non-official) Director

श्री आर.एस. शर्मा
(अंशकालिक गैर
सरकारी) निदेशक
Mr. R.S. Sharma
(Part-time)
non-official) Director

पंजीकृत एवं कार्पोरेट कार्यालय

प्रथम तल, अगस्त क्रांति भवन, भीकाजी कामा प्लेस, आर.के.पुरम, नई दिल्ली – 110066

परियोजना क्रियान्वयन इकाईयां

रेल विकास निगम लिमिटेड,
मैज़ेनिन फ्लोर, थिरूमलाई रेलवे स्टेशन,
एमटीपी ऑफिस, मयलापोर, चेन्नै

रेल विकास निगम लिमिटेड,
7, केसरकुंज, शंकर नगर,
नजदीक प्रगति पेट्रोल पंप,
हबीबगंज, भोपाल.

रेल विकास निगम लिमिटेड,
6.9 एकड़ काम्प्लैक्स, बी ब्लॉक,
रेल विहार, चन्द्रशेखरपुर,
भुवनेश्वर (3 इकाईयां)

रेल विकास निगम लिमिटेड,
डी–38/ए, रेलवे बंगला,
रेज़ीडेंसी रोड, जोधपुर
(राजस्थान)– 342001.

रेल विकास निगम लिमिटेड,
5वां तल, डी.एन.–164/ए,
165 एवं 9–1–166, सरोजनी देवी रोड,
सिकंदराबाद–500003.

रेल विकास निगम लिमिटेड,
ए–19, सीपट मेन रोड,
राज किशोर नगर, बिलासपुर.

रेल विकास निगम लिमिटेड,
नजदीक इरीसेन रेलवे कालोनी,
साउथ मेन रोड, कोरेगांव पार्क,
पुणे–411001.

रेल विकास निगम लिमिटेड,
प्रथम तल, प्रयत्न भवन,
सी–13, विपिन खंड, गोमती नगर
लखनऊ–226001.

रेल विकास निगम लिमिटेड,
15–प्रथम तल, बेक्टरा हाउस,
प्रथम मेन रोड, 6ठा क्रास,
गांधी नगर, बंगलौर–560009.

रेल विकास निगम लिमिटेड,
कार्यालय सं. 5 एवं 6, द्वितीय तल,
अशोका मिलेनियम, न्यू राजेन्द्र नगर,
रायपुर (छत्तीसगढ़)–492001.

रेल विकास निगम लिमिटेड,
प्रथम तल, अगस्त क्रांति भवन,
भीकाजी कामा प्लेस, आर.के. पुरम,
नई दिल्ली–110066 (3 इकाईयां)

रेल विकास निगम लिमिटेड,
24, देशप्राण शाश मल रोड,
कोलकाता (5 इकाईयां)

रेल विकास निगम लिमिटेड,
7वां तल, प्रशासनिक बिल्डिंग,
मध्य रेलवे, डी.एन. रोड,
सीएसटी, मुंबई.

रेल विकास निगम लिमिटेड,
ए–21, पुलिस कालोनी, अनीसाबाद
पुलिस स्टेशन, गरदनीबाग,
पटना–800002.

रेल विकास निगम लिमिटेड,
डी–694 एवं 695, आरआईसीसी हाऊसिंग,
अम्बाजी रोड कालोनी,
पीओ आबू रोड (राज.).

रेल विकास निगम लिमिटेड,
रेलवे बिल्डिंग सं. टी–34, एम.एस.एम. कालोनी,
ज्ञानपुरम साइड रेलवे स्टेशन एंट्री रोड,
वाल्टेयर, विशाखापटनम–530004.

कंपनी सचिव

श्रीमती सुमन कालरा

वैधानिक लेखा परीक्षक

भूषण बंसल जैन एसोसिएट्स
4648/21, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली – 110002

बैंकर्स

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया
एक्सिस बैंक
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
आईसीआईसीआई बैंक
कार्पोरेशन बैंक

वेबसाइट : www.rvnl.org

REGISTERED & CORPORATE OFFICE

Ist Floor, August Kranti Bhawan, Bhikaji Cama Place, R.K. Puram, New Delhi-110066

PROJECT IMPLEMENTING UNITS

Rail Vikas Nigam Limited,
Mezzanine Floor, Thirumalai Railway Station, MTP Office, Mylapore, Chennai

Rail Vikas Nigam Limited,
A-19 Seepat Main Road, Raj Kishor Nagar, Bilaspur

Rail Vikas Nigam Limited,
24, Desh Pran Shash Mal Road, Kolkata (5 units)

Rail Vikas Nigam Limited,
7, Kesharkunj, Shankar Nagar, Near Pragati Petrol Pump, Hbibganj, Bhopal

Rail Vikas Nigam Limited,
Near IRICEN Railway Colony, South Main Road, Koregaon Park, Pune-411001

Rail Vikas Nigam Limited,
7th Floor Administration Building, Central Railway D.N. Road, CST, Mumbai

Rail Vikas Nigam Limited,
6.9 Acre Complex, B Block, Rail Vihar, Chandrashekharpur, Bhubhaneshwar (3 units)

Rail Vikas Nigam Limited,
1st Floor, Paryatan Bhawan, C-13, Vipin Khand, Gomti Nagar, Lucknow-226001

Rail Vikas Nigam Limited,
A-21, Police Colony Anisabad P.S. Gardanbagh, Patna-800002

Rail Vikas Nigam Limited,
D-38/A, Railway Bungalow, Residency Road, Jodhpur-342001(Rajasthan)

Rail Vikas Nigam Limited,
15-1st Floor Bectra House, 1st Main Road 6th Cross Gandhi Nagar, (Bangalore)-560009

Rail Vikas Nigam Limited,
D-694 & 695, RICC Housing, Ambaji Road Colony, P.O. Abu Road (Rajasthan)

Rail Vikas Nigam Limited,
5th Floor, D.N-164/A. 165&9-1-166, Sarojini Devi Road, Secunderabad - 500003

Rail Vikas Nigam Limited,
Office No. 5&6, 2nd Floor, Ashoka Millennium, New Rajender Nagar, Raipur (C.G.)-492001

Rail Vikas Nigam Limited,
Railway Building No. T-34 MSM Colony, Gnanapuram Side Railway Station Entry Road, Waltair, Vishakhapatnam-530004

Rail Vikas Nigam Limited,
1st Floor, August Kranti Bhawan, Bhikaji Cama Palace, R.K. Puram, New Delhi-110066 (3 units)

Company Secretary

Mrs. Suman Kalra

Statutory Auditors

Bhushan Bensal Jain Asociates,
Chartered Accountants,
4648/21, Daryaganj, New Delhi-110002

Bankers

State Bank of India
Union Bank of India
Corporation Bank
Axis Bank
ICICI Bank
Bankers

Website : www.rvnl.org

अध्यक्ष का अभिभाषण

गणमान्य शेयरधारकों,

रेल विकास निगम लिमिटेड के निदेशक मंडल की ओर से, मैं कंपनी की नौवीं वार्षिक आम बैठक में सभी शेयरधारकों का तहे दिल से स्वागत करता हूं. वित्त वर्ष 2011–12 के लिए निदेशकों की रिपोर्ट तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणी सहित कंपनी के लेखा परीक्षित लेखे पहले ही परिपत्रित कर दिए गए हैं तथा आपकी अनुमति से मैं उन्हें पढ़ा गया मानता हूं।

जैसाकि पिछले वर्ष बताया गया था, रेविनिलि एक ऐसे दौर से गुजरी थी, जब कंपनी को प्रारंभ में आवंटित परियोजनाएं पूर्ण होने को थी और रेविनिलि की आदेश पुस्तिका खाली हो चुकी थी. इसके साथ ही, द्वितीय एडीबी ऋण की मंजूरी में देरी तथा भूमि अधिग्रहण से संबंधित मुद्दों के कारण कुछ परियोजनाओं में देरी होने के कारण 2009–10 की टर्नओवर में कमी आई. बहरहाल, 2009–10 से रेविनिलि को नियमित आधार पर अतिरिक्त परियोजनाएं सौंपे जाने से तथा इन परियोजनाओं के लिए योजनाएं बनाने तथा संविदा प्रदान करने हेतु मिले समय के कारण, मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि कंपनी की टर्नओवर में अब उछाल आया है. वर्ष 2011–12 के दौरान, रेविनिलि ने परियोजना निष्पादन से पिछले वर्ष के 1,444.65 करोड़ रु. की तुलना में इस वर्ष 10.6% की वृद्धि दर्ज करते हुए 1,597.91 करोड़ रु. की टर्नओवर हासिल की. चालू वर्ष में क्षेत्रीय रेलों द्वारा चलाई जा रही परियोजनाओं का अंशदान रेविनिलि के सकल टर्नओवर में 5.2% से घटकर 1.04% रह गया, किन्तु 2011–12 में रेल मंत्रालय तथा विशेष प्रयोजन परियोजनाओं के लिए चलाई जा रही परियोजनाओं का अंशदान 2010–11 के 1,320 करोड़ रु. से बढ़कर 2011–12 में 1,553 करोड़ रु. हो गया.

वर्ष के दौरान, रेल मंत्रालय ने रेविनिलि के राजस्व प्रवाह का युक्तिकरण करने के अनुरोध पर अनुग्रहपूर्वक विचार किया. रेविनिलि को अनुमत प्रर्यवेक्षण प्रभारों सहित प्रबंधन शुल्क अब विभिन्न परियोजनाओं के निष्पादन हेतु रेलों को प्रदत्त औसत डी एवं जी प्रभारों पर आधारित होगा. परियोजना निष्पादन से इतर कार्यों से आय में 15.91 करोड़ रु. की वृद्धि तथा उक्त यौक्तिकरण से, कंपनी का कर पूर्व लाभ पिछले वर्ष के 75.45 करोड़ रु. की तुलना में इस वर्ष बढ़कर 119.33 करोड़ रु. हो गया. कर संबंधित व्यय के उपरांत कर पश्चात् लाभ पिछले वर्ष के 61.09 करोड़ रु. से बढ़कर इस वर्ष 98.38 करोड़ रु. हो गया.

निष्पादन में सुधार के मद्देनजर, निदेशकों ने पिछले वर्ष के 12.50 करोड़ रु. की तुलना में लाभांश में 60% की वृद्धि करते हुए, वर्ष 2011–12 के लिए 20 करोड़ रु. के लाभांश की सिफारिश शेयरधारकों के विचारार्थ प्रस्तुत की है. इस प्रकार, रेविनिलि को अनुमत 8.5% औसत अनुमत प्रबंधन शुल्क (पर्यवेक्षण प्रभारों सहित) में से अनुमानत : 1.7% रेल मंत्रालय को लाभांश के रुप में वापिस किया जा रहा है.

रेल अवसंरचना के विकास में रेविनिलि के अंशदान में पिछले वर्षों में काफी वृद्धि हुई है. मुझे शेयरधारकों को यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि इस कंपनी ने 2011–12 में पिछले वर्षों के दोहरीकरण/तीसरी लाइन और रेल विद्युतीकरण के क्रमशः 211 कि.मी. और 159 कि.मी. के लक्ष्य की तुलना में इस वर्ष अब तक के सबसे अधिक क्रमशः 254 कि.मी. और 207 कि.मी. दोहरीकरण/तीसरी लाइन तथा रेल विद्युतीकरण कार्य किए. वास्तव में, वर्ष 2011–12 के दौरान, रेविनिलि ने भारतीय रेल पर किए जा रहे दोहरीकरण/तीसरी लाइन के कुल कार्यों में 35% का योगदान दिया. इसी प्रकार, वर्ष के दौरान, भारतीय रेल पर रेविनिलि द्वारा 25% से अधिक अतिरिक्त रेलपथ कि.मी. को ऊर्जीकृत किया गया।

31 मार्च, 2012 तक समग्र रुप में, रेविनिलि ने 887 कि.मी. दोहरीकरण, 1,590 कि.मी. आमान परिवर्तन, 194 कि.मी. नई लाइनें और 1,542 कि.मी. रेल विद्युतीकरण, अर्थात् कुल 4,213 कि.मी. परियोजना कार्य सम्पन्न किए.

वर्ष के दौरान, रेविनिलि ने अलीगढ़–गाजियाबाद परियोजना (106 कि.मी.) और 31 कि.मी. पलवल–भूतेश्वर परियोजना कार्य भी संपन्न किए. इन खंडों पर किया जाने वाला कार्य भारतीय रेल के व्यस्ततम खंडों पर होने के कारण तकनीकी एवं प्रबंधकीय दृष्टि से काफी चुनौतिपूर्ण था. इन परियोजनाओं पर हुई प्रगति के परिणामस्वरुप, दिल्ली को पूर्वी भारत तथा मध्य एवं दक्षिणी भारत से जोड़ने वाले उत्तर मध्य रेल के दो मुख्य मार्गों पर यातायात की भीड़–भाड़ काफी कम हुई है तथा इन मार्गों पर गाड़ियों का परिचालन अत्यधिक सुचारु हो गया है. वर्ष के दौरान पूरी की गई एक अन्य महत्वपूर्ण परियोजना दक्षिण–मध्य रेलवे पर गूटी–रेणीगुंटा दोहरीकरण परियोजना थी. पूर्ण की गई मुख्य रेल विद्युतीकरण परियोजनाओं में, रेणीगुंटा–गुंतकल, दौंड–मनमाड़ और भरुच–देहज खंड थे. इसके अतिरिक्त विशिष्ट रुप से रे.वि. से इतर कार्यों में 203 कि.मी. रेल विद्युतीकरण कार्य अर्थात् अलीगढ़–गाजियाबाद, पलवल–भूतेश्वर, बिलासपुर–उरकुरा आदि तीसरी लाइन परियोजना कार्य सम्पन्न किए गए.

रेविनिलि ने दोहरीकरण, तीसरी लाइन, स्वचालित सिगनल प्रणाली, यार्ड रिमॉडलिंग तथा आमान परिवर्तन से संबंधित सिगनल प्रणाली स्थापित करने में प्रशंसनीय सफलता हासिल की है. वर्ष 2011–12 के दौरान, रेविनिलि ने तीसरी लाइन परियोजना के 7 स्टेशनों सहित 27 स्टेशनों पर कार्य चालू किया. इसने 390 कि.मी. कुल लंबाई वाली आप्टिकल फाइबर केबल तथा 6 क्वाड केबल बिछाकर दूर–संचार कार्यों को भी सफलतापूर्वक पूरा किया.

500 मिलियन अमेरिकी डालर के द्वितीय एडीबी ऋण के मंजूर हो जाने पर, रायपुर–तितलागढ़, संभलपुर–तितलागढ़, होसपेट–तिनईघाट, दौंड–गुलबर्गा दोहरीकरण परियोजना तथा पुणे–गुंतकल रेल विद्युतीकरण परियोजना सहित सभी 5 सहायता प्राप्त परियोजनाओं के लिए संविदाए प्रदान करने हेतु निविदा प्रक्रिया शुरु की गई. इस वित्त वर्ष के दौरान सभी परियोजनाओं पर कार्य प्रारंभ हो जाने की उम्मीद है. पुनर्वास एवं पुनः स्थापन गतिविधियां भी प्रगति पर हैं.

Chairman Address

Distinguished Shareholders,

On behalf of the Board of Directors of Rail Vikas Nigam Limited, I extend a very warm welcome to all of you on the occasion of the ninth Annual General Meeting of your Company. The audited accounts of the Company for the financial year 2011-12 along with the Directors' Report and reports of the Auditors and comments of Comptroller and Auditor General of India have already been circulated to you and with your permission, I take them as read.

As had been reported last year, RVNL had gone through a phase where the projects initially allotted to the Company were nearing completion and the order book of RVNL had become depleted. This, combined with the delay in sanction of the 2nd ADB loan and lack of progress on some of the projects due to issues related to land acquisition, had resulted in a dip in turnover in 2009-10. However, with the assignment of additional projects to RVNL on a regular basis from 2009-10 and taking into account the lead time for planning and award of contracts of these projects, I am happy to report that there is now an upswing in the turnover of the Company. During 2011-12 RVNL has achieved a turnover from project execution of ₹1,597.91 crore as against ₹1,444.65 crore in the previous year, registering a growth of 10.6 %. With the decline in contribution to total turnover of RVNL of works being executed by Zonal Railways from 5.02% to 1.04% in current year, the contribution of projects being executed for MoR and SPVs in 2011-12 has increased from ₹1,320 crore in 2010-11 to ₹1,553 crore in 2011-12.

During the year, the Ministry of Railways has favorably considered RVNL's request for rationalizing the revenue stream of RVNL. The management fee, inclusive of supervision charges, allowed to RVNL is now based on the average D&G charges provided on the railways for execution of various types of projects. This rationalization, together with an increase of ₹15.91 crore in income from other than project execution, has resulted in an increase in the Profit Before Tax of the company to ₹119.33 crore from ₹75.45 crore in the previous year. After meeting tax expenses, the Profit After Tax is ₹98.38 crore against ₹61.09 crore in the previous year.

In view of the improved financial performance, the Directors have recommended a dividend of ₹20 crore for 2011-12 as compared to ₹12.50 crore during the previous year, i.e. an increase of 60%, for the consideration by Shareholders. Thus, out of the average Management Fee (including supervision charges) of 8.5% allowed to RVNL, approximately 1.7% is being paid back to Ministry of Railways as dividend.

RVNL's contribution to the development of railway infrastructure has been increasing over the years. I am happy to report to the Shareholders that in 2011-12, the Company completed an all time high of doubling/3rd line works of 254 km and 207 km of railway electrification, surpassing by a wide margin the previous year's achievement of 211 km and 159 km respectively. In fact, during 2011-12, RVNL has contributed nearly 35% of the total doubling/3rd line works executed on Indian Railways. Similarly, during the year, the contribution of RVNL to the additional track km electrified on Indian Railways was almost 25%.

Cumulatively, upto 31st March, 2012 RVNL has completed 887 km of Doubling, 1,590 km of Gauge Conversion, 194 km of New Lines and 1,542 km of Railway Electrification, i.e. a total of 4213 km of project length.

During the year, RVNL completed work on the 3rd line of Aligarh-Ghaziabad project (106 km) and 31 km of Palwal-Bhuteshwar project. The work on these sections was technically and managerially demanding as the projects lie on the busiest sections on Indian Railways. The progress achieved on these projects has decongested the two trunk routes of NCR – connecting Delhi to Eastern India and to Central and Southern India, providing substantial relief to train operations on these routes. Another important project completed in the year is the Gooty-Renigunta doubling on South Central Railway. Major Railway Electrification projects completed were Renigunta-Guntakal, Daund-Manmad and Bharuch-Dahej sections. In addition, 203 km of railway electrification was completed on other than specific RE works such as 3rd line projects of Aligharh-Ghaziabad, Palwal-Bhuteshwar, Bilaspur-Urkura etc.

RVNL has achieved commendable success in commissioning signaling works associated with doubling, third line, auto signaling, yard remodeling and gauge conversion. During the year 2011-12, RVNL commissioned 27 stations including 7 stations on the 3rd line projects. It has also successfully commissioned telecom works involving laying of optic fiber cables and 6 Quad cables of a total length of 390 km.

With the sanction of the second ADB loan of US $ 500 million, the tendering process for award of contracts was taken up for all the 5 aided projects including doubling projects of Raipur-Titlagarh, Sambhalpur-Titlagarh, Hospet-Tinaighat, Daund-Gulbarga and Railway Electrification project of Pune - Guntakal. The work is expected to commence in all projects during this financial year. The Resettlement and Rehabili-tation activities are also in progress.

कोलकाता मेट्रो के विस्तार के लिए चार मुख्य परियोजनाएं मार्च, 2010 में रेविनिलि को हस्तांतरित की गई. रेविनिलि ने इन परियोजनाओं पर त्वरित गति से कार्य करना प्रारंभ कर दिया है. जोका–बिनॉय बादल दिनेश (बीबीडी) परियोजना पर कार्य सड़क के बीच से ट्राम की पटरियां उखाड़े जाने के बाद ही जुलाई, 2011 में प्रारंभ हो सका. इसके पश्चात् कार्य ने काफी रफ्तार पकड़ी तथा पहला गर्डर अप्रैल, 2012 में रिकार्ड 9 महीने की अवधि में स्थापित किया गया. स्टेशन भवन का निर्माण कार्य भी प्रारंभ हो चुका है. नाओपाड़ा–दक्षिणेश्वर खंड पर भी कार्य प्रगति पर है. दमदम एयरपोर्ट–न्यु गड़िया परियोजना के न्यु गड़िया से रबीन्द्र तीर्थ खंड पर वायाडक्ट के निर्माण के लिए अक्टूबर, 2011 में चार संविदा प्रदान की जा चुकी है. कार्य योजनाबद्ध तरीके से प्रगति पर है. बैरकपुर–बारानगर लाइन पर, सड़क चौड़ा करने का कार्य प्रगति पर है तथा स्थानीय प्राधिकरणों द्वारा मुख्य पाइप लाइन को बंद करने/स्थानान्तरित करने के पश्चात् ही वायाडक्ट तथा स्टेशन के निर्माण हेतु निविदा जारी की जाएगी.

रेविनिलि ने कारखानें स्थापित करने तथा अद्वितीय पुलों के निर्माण से संबंधित परियोजनाओं के योजनाबद्ध तथा प्रभावी क्रियान्वयन में भी अपनी क्षमता दिखाई है. दनकुनी कारखाने के सिविल कार्यों का प्रथम चरण पूरा हो गया तथा नवम्बर, 2011 में इसे पूर्व रेलवे को हस्तांतरित कर दिया गया और चरण–II का कार्य भी पूरा हो चुका है. हल्दिया में डीएमयू कारखाने का कार्य भी संतोषजनक रुप से प्रगति पर है और 15 महीने के रिकार्ड समय में, दिसम्बर, 2012 में इसके पूरा हो जाने की संभावना है. बर्द्धमान में केबल वाले ऊपरि सड़क पुल का कार्य भी शुरु हो चुका है.

चुनौतिपूर्ण परिस्थितियों में भी त्वरित आधार पर परियोजनाएं पूरी करने की रेविनिलि की क्षमता तथा सामर्थ्य को मान्यता प्रदान करते हुए, रेल मंत्रालय ने रेविनिलि को कार्यान्वयन हेतु 14 अतिरिक्त परियोजनाएं सौंपी हैं. इनमें तकनीकी रुप से चुनौतिपूर्ण हिमालय के दुर्गम मार्गों पर स्थित ऋषिकेश–कर्णप्रयाग के बीच नई लाइन के निर्माण वाली "राष्ट्रीय परियोजना" भी शामिल है.

यद्यपि रेविनिलि मंत्रिमंडल के जनादेश तथा रेल मंत्रालय द्वारा अनुमोदित संस्था के अंतर्नियमों के अनुसार त्वरित आधार पर परियोजनाएं निष्पादित करने की अपनी भूमिका निभा रही है, तथापि संसाधन जुटाने हेतु उसकी भूमिका 5 परियोजना विशेष एसपीवी स्थापित करने तक ही सीमित है. इन परियोजनाओं की कुल प्रत्याशित लागत 4324 करोड़ रु. है, जिसमें से रेविनिलि का इक्विटी अंशदान 546 करोड़ रु. अर्थात् 12.6% है. शेष 2994 करोड़ रु. की निधियां रणनीतिक भागीदारों के इक्विटी शेयरों तथा गैर–आश्रित ऋण के माध्यम से जुटाई जाएंगी.

जबकि कच्छ रेलवे कंपनी लिमिटेड, कृष्णापतणम रेलवे कंपनी लिमिटेड और भरुच देहज रेलवे कंपनी लिमिटेड ने परिचालन शुरु कर दिया है, हरिदासपुर पारादीप रेलवे कंपनी लिमिटेड तथा अंगुल सुकिंदा रेलवे कंपनी लिमिटेड की प्रगति भूमि अधिग्रहण आदि मुद्दों के कारण प्रभावित हुई.

मैं अत्यन्त संतोष के साथ शेयरधारकों को यह बताना चाहता हूं कि परियोजना निष्पादन की अपनी मुख्य भूमिका पर फोकस करते हुए रेविनिलि जिन कार्य स्थलों पर परियोजनाएं चला रही है, वहां के लोगों के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन सीएसआर गतिविधियों को लक्ष्य से अधिक चलाकर कर रही है. वर्ष (2011–12) के दौरान, परियोजना क्षेत्रों में 1.2 करोड़ रु. के समझौता ज्ञापन में निर्धारित लक्ष्य की तुलना में सीएसआर गतिविधियों पर 1.6 करोड़ रु. खर्च किए गए. मुख्य जोर शिक्षा एवं स्वास्थ्य दो क्षेत्रों पर दिया जा रहा है.

शिक्षा के क्षेत्र में, खुर्जा, उत्तर प्रदेश, जोधपुर, राजस्थान और गोएलकेरा, झारखंड के विद्यालयों में शौचालय, पेय जल, फर्नीचर आदि जैसी मूलभूत अवसंरचना सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं. सुकरीगाड़ा, झारखंड में एक आवासीय विकलांग विद्यालय परिसर में विकलांग बच्चों के लिए शौचालय ब्लॉक तथा बहुउद्देशीय हाल मुहैया कराया गया है.

स्वास्थ्य कार्यक्रम के क्षेत्र में, भारी ग्रामीण आबादी वाले अविकसित क्षेत्रों पर ध्यान दिया जा रहा है. बोलनगीर (उड़ीसा), महासमंद (छत्तीसगढ़) तथा वड़ोदरा (गुजरात) के अस्पतालों को अत्याधुनिक उपस्करों से सुसज्जित तीन मूल जीवन आश्रय (बीएलएस) एम्बुलेन्स मुहैया कराई गई हैं. एक चल चिकित्सा यूनिट वैन रामकृष्ण मठ, नओरा (पश्चिम बंगाल) को भी मुहैया कराई गई है. रोगियों की उपचार क्षमता में वृद्धि करने के लिए, जर्मनी से आयातित नेत्र शल्य चिकित्सा उपस्कर विवेकानन्द मिशन आश्रम, चैतन्यपुर, पश्चिम बंगाल को मुहैया कराए गए हैं. रेविनिलि की सीएसआर गतिविधियों को लोगों द्वारा सराहा गया है तथा इसे राष्ट्रीय एवं स्थानीय मीडिया में सकारात्मक कवरेज प्राप्त हुई है.

रेविनिलि ने उक्त उपलब्धियां केवल 308 नियमित कर्मचारियों के सहयोग से हासिल की हैं. इनमें से, आब्जर्ब कर्मचारियों की संख्या 31.03.2012 को 100 थी. एक छोटा संगठन बनाए रखने के लिए परियोजना नियोजन, निविदा प्रणाली, संविदाएं आमंत्रित करना तथा परियोजना निष्पादन की आधारभूत प्रक्रियाओं को व्यवस्थित करने के लिए विशेष प्रयास किए गए हैं. रेविनिलि ने मानक जनशक्ति बिल तैयार करने में अग्रणी कार्य किया है, जिससे निर्णय लेने में तथा संविदा प्रबंधन के लिए किए जाने वाले प्रयासों में महत्वपूर्ण कमी आई है और जिसके परिणामस्वरुप जनशक्ति की आवश्यकता में कमी आई है. रेविनिलि इस संगठन को सदा छोटा बनाए रखने के लिए प्रयास करती रहेगी, जिससे इसके अधिकारियों एवं कर्मचारियों का समर्पण एवं कार्यकुशलता दृष्टांत स्वरुप झलकती रहेगी.

इस कंपनी ने सार्वजनिक उद्यम विभाग के परामर्श से वर्ष 2011–12 के लिए रेल मंत्रालय के साथ किए गए समझौता ज्ञापन में निर्धारित लक्ष्यों को पार कर लिया है. इसमें कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, संपोषण तथा अनुसंधान एवं विकास सहित विशेष रुप से वित्तीय, वास्तविक एवं उद्यम विशिष्ट मानक शामिल हैं. परिणामस्वरुप, आंतरिक आकलन के अनुसार, यह प्रत्याशा की जाती है कि कंपनी का मूल्यांकन ''उत्कृष्ट'' किया जाएगा. आंतरिक मूल्यांकन सार्वजनिक उद्यम विभाग को अनुमोदन हेतु प्रस्तुत कर दिया गया है और मुझे विश्वास है कि रेविनिलि पिछले दो वर्षों से तो उत्कृष्ट रेटिंग प्राप्त कर ही रही है और भविष्य में भी यही रेटिंग प्राप्त करती रहेगी.

मुझे यह बताने में भी प्रसन्नता हो रही है कि सार्वजनिक उद्यम विभाग द्वारा केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम के लिए कार्पोरेट गवर्नेंस पर रिपोर्ट तथा प्रबंधन बहस एवं विश्लेषण रिपोर्ट को मई, 2010 से वार्षिक रिपोर्ट में शामिल करना अनिवार्य कर देने से पूर्व ही रेविनिलि 2007–08 से इसे अपनी रिपोर्ट में

Four major projects for the extension of Kolkata Metro were transferred to RVNL in March 2010. RVNL has successfully taken up execution of these projects at a fast pace. The work on 16.72 km section on Joka-Binoy Badal Dinesh (BBD) Bagh project could only be started in July 2011 after removal of the tram tracks on the median of the road. Thereafter, the execution of work has progressed rapidly and the first girder was launched in April, 2012 in a record time of 9 months. The work of construction of station buildings has also commenced. Work on the Naopara-Dakshineshwar section is also in progress. On the New Garia to Rabindra Tirtha section of Dum Dum Airport - New Garia project, four contracts for viaduct have been awarded in October, 2011. Work is progressing as per schedule. On the Barrackpore-Baranagar line, the work of road widening is in progress and the tenders for the viaduct and stations will be invited shortly after the major water pipelines are closed/diverted by the local authorities.

RVNL has also shown its capability of planned and efficient implementation of projects related to setting up of workshops and construction of unique bridges. While Phase I of the civil work of Dankuni Workshop was completed and handed over to Eastern Railway in November 2011, Phase II has also since been completed. Work of the DMU workshop at Haldia is also progressing satisfactorily and is likely to be completed by December, 2012 in a record time of 15 months. The work on the cable stayed RoB at Bardhman has also been taken up for execution.

In recognition of RVNL's capability and potential for execution of projects on fast track basis in challenging circumstances, Ministry of Railways have assigned 14 additional projects to RVNL for execution. This includes the technologically challenging "National Project" of construction of a new line between Rishikesh and Karanprayag located in Himalayas which has very difficult topography.

While the Company has been fulfilling its role of execution of projects on fast track basis as per the mandate of Cabinet, and as per the Memorandum of Association approved by Ministry of Railways at the time of its incorporation, its role in the area of resource mobilization has been limited to the setting up of 5 project specific SPVs. The total anticipated cost of these projects is ₹4324 crore against which the equity contribution by RVNL is ₹546 crore i.e. 12.6%. The balance funds of ₹2994 crore would be provided by the equity share of Strategic Partners and through non recourse debt.

While Kutch Railway Company Ltd., Krishnapatnam Railway Company Ltd. and Bharuch Dahej Railway Company Ltd. have commenced operations, the progress of Haridaspur Paradeep Railway Company Ltd. and Angul Sukinda Railway Ltd. has been hampered due to issues of land acquisition.

It is with a sense of great satisfaction, I inform the Shareholders that while focusing on its main role of project execution, RVNL has made special efforts to meet its responsibility to the communities where projects are located by exceeding its CSR targets. During the year (2011-12), ₹1.6 crore has been spent on CSR activities undertaken in the project areas as against the MOU Target of ₹1.2 crore. The emphasis has been on the two thrust areas of Education and Health.

In the field of education, basic infrastructure facilities, like, toilet, drinking water, furniture have been provided at schools in districts of Khurja, U.P., Jodhpur, Rajasthan and Goelkera, Jharkhand. A toilet block and a multipurpose hall have also been provided for physically challenged children at a Residential Handicapped School in Sukrigada, Jharkhand.

In the field of Health programs, focus has been on underdeveloped areas with a large rural population. Three Basic Life Support (BLS) Ambulances fully equipped with state of the art equipment have been provided to hospitals in Bolangir (Odisha), Mahasamund (Chhatisgarh), and Vadodara (Gujarat). One Mobile Medical Unit (MMU) van has also been provided to Ramakrishna Math, Naora (West Bengal). To enhance the capacity to treat patients, Ophthalmic Surgery Equipment imported from Germany has been provided to Vivekananda Mission Ashrama, Chaitanyapur, West Bengal. RVNL's CSR activities have been appreciated by people and have received positive coverage in national and local media.

The above achievements of RVNL have been realized with an on roll staff strength of only 308 regular personnel. Out of these, the number of absorbed staff stands at 100 as on 31.3.2012. To maintain a thin organisation, special efforts have been made to systemize the basic processes in project planning, tendering, awarding of contracts and project execution. RVNL has done pioneering work in preparation of a Standard Bill of Quantities, which significantly reduces the effort in decision making and contract management, thereby reducing the requirement of manpower. RVNL shall continue to maintain an extremely thin organization which exemplifies the dedication and efficiency of its officers and staff.

The Company has also surpassed all the targets set in the Memorandum of Understanding (MoU) with Ministry of Railways for 2011-12 in consultation with the Department of Public Enterprise (DPE). This includes specific financial, physical and enterprise specific parameters including Corporate Social Responsibility, Sustainability and R&D. As a result, as per internal assessment, it is expected that the Company will be evaluated as "Excellent". The internal appraisal has been submitted to DPE for approval.

I am confident that RVNL, having achieved this excellent rating for the past two years, will continue to strive to maintain it in future.

I am also happy to inform that even before Department of Public Enterprises made it mandatory in May, 2010 for Central Public Sector Enterprises to incorporate the Report on Corporate